



Yash

04 Mar 2002

07:10 PM

Dhanbad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121939204

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 04/03/2002
दिन _____: सोमवार
जन्म समय _____: 19:10:00 घंटे
इष्ट _____: 32:45:17 घटी
स्थान _____: Dhanbad
राज्य _____: Bihar
देश _____: India

अक्षांश _____: 23:47:00 उत्तर
रेखांश _____: 86:32:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: 00:16:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 19:26:08 घंटे
वेलान्तर _____: -00:11:49 घंटे
साम्पातिक काल _____: 06:14:43 घंटे
सूर्योदय _____: 06:03:53 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:47:46 घंटे
दिनमान _____: 11:43:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: वसन्त
सूर्य के अंश _____: 19:54:55 कुम्भ
लग्न के अंश _____: 09:28:52 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कन्या - बुध
राशि-स्वामी _____: वृश्चिक - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: विशाखा - 4
नक्षत्र स्वामी _____: गुरु
योग _____: व्याघात
करण _____: वणिज
गण _____: राक्षस
योनि _____: व्याघ्र
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: विप्र
वश्य _____: कीटक
वर्ग _____: सर्प
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: जल
जन्म नामाक्षर _____: तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मीन

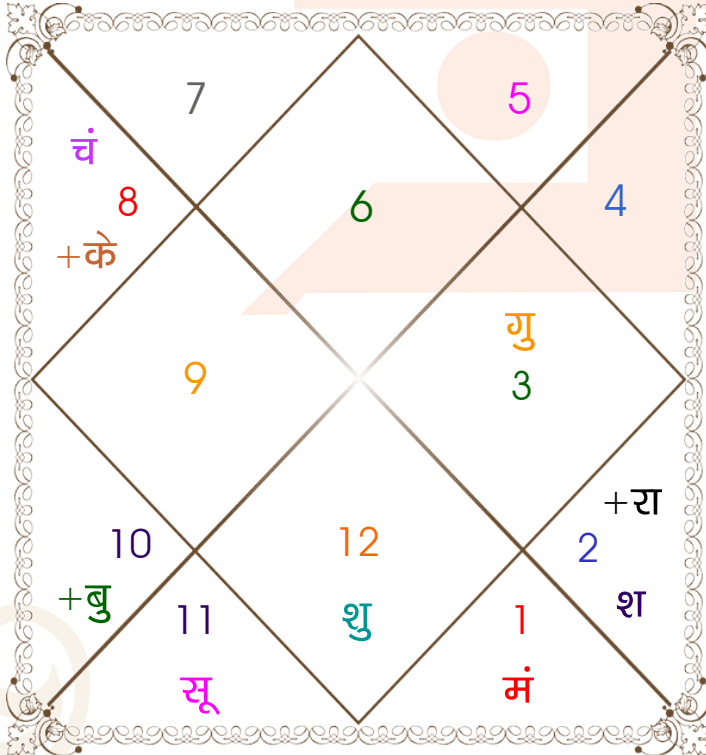
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	09:28:52	330:13:08	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	19:54:55	01:00:07	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	01:25:06	13:45:32	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	नीच राशि
मंगल			मेष	08:11:58	00:42:26	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मूलत्रिकोण
बुध			मक	25:26:48	01:21:21	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	सम राशि
गुरु			मिथु	11:45:18	00:00:35	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	01:45:23	01:14:46	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	उच्च राशि
शनि			वृष	14:42:32	00:02:42	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		वृष	29:29:35	00:01:46	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	29:29:35	00:01:46	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	02:00:51	00:03:21	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
नेप			मक	15:50:47	00:01:58	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	23:40:23	00:00:33	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			मिथु	09:29:28	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	गुरु	--

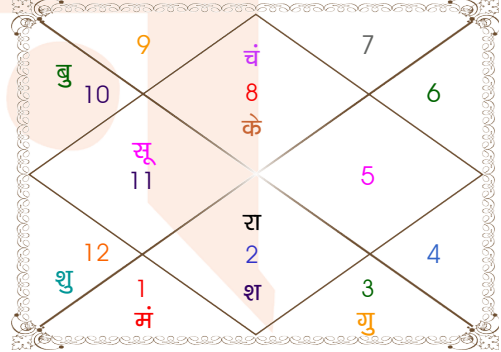
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:58

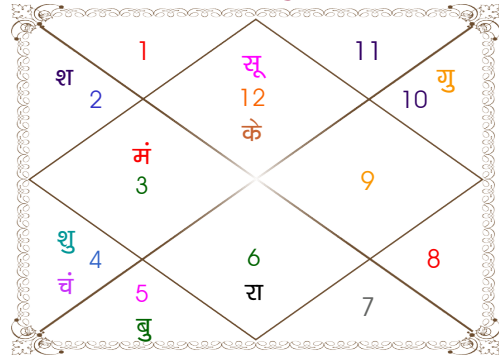
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 2 वर्ष 3 मास 17 दिन

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
04/03/2002	21/06/2004	21/06/2023	21/06/2040	21/06/2047
21/06/2004	21/06/2023	21/06/2040	21/06/2047	21/06/2067
00/00/0000	शनि 24/06/2007	बुध 17/11/2025	केतु 17/11/2040	शुक्र 21/10/2050
00/00/0000	बुध 04/03/2010	केतु 14/11/2026	शुक्र 17/01/2042	सूर्य 21/10/2051
00/00/0000	केतु 12/04/2011	शुक्र 14/09/2029	सूर्य 25/05/2042	चंद्र 21/06/2053
00/00/0000	शुक्र 12/06/2014	सूर्य 22/07/2030	चंद्र 24/12/2042	मंगल 21/08/2054
00/00/0000	सूर्य 25/05/2015	चंद्र 21/12/2031	मंगल 22/05/2043	राहु 21/08/2057
00/00/0000	चंद्र 23/12/2016	मंगल 17/12/2032	राहु 08/06/2044	गुरु 21/04/2060
00/00/0000	मंगल 01/02/2018	राहु 07/07/2035	गुरु 15/05/2045	शनि 21/06/2063
04/03/2002	राहु 08/12/2020	गुरु 12/10/2037	शनि 24/06/2046	बुध 21/04/2066
राहु 21/06/2004	गुरु 21/06/2023	शनि 21/06/2040	बुध 21/06/2047	केतु 21/06/2067

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
21/06/2067	21/06/2073	21/06/2083	21/06/2090	22/06/2108
21/06/2073	21/06/2083	21/06/2090	22/06/2108	05/03/2122
सूर्य 09/10/2067	चंद्र 21/04/2074	मंगल 18/11/2083	राहु 03/03/2093	गुरु 10/08/2110
चंद्र 09/04/2068	मंगल 20/11/2074	राहु 05/12/2084	गुरु 28/07/2095	शनि 20/02/2113
मंगल 14/08/2068	राहु 21/05/2076	गुरु 11/11/2085	शनि 03/06/2098	बुध 29/05/2115
राहु 09/07/2069	गुरु 20/09/2077	शनि 21/12/2086	बुध 21/12/2100	केतु 04/05/2116
गुरु 27/04/2070	शनि 22/04/2079	बुध 18/12/2087	केतु 09/01/2102	शुक्र 03/01/2119
शनि 09/04/2071	बुध 20/09/2080	केतु 15/05/2088	शुक्र 09/01/2105	सूर्य 22/10/2119
बुध 14/02/2072	केतु 21/04/2081	शुक्र 15/07/2089	सूर्य 03/12/2105	चंद्र 20/02/2121
केतु 21/06/2072	शुक्र 21/12/2082	सूर्य 20/11/2089	चंद्र 04/06/2107	मंगल 27/01/2122
शुक्र 21/06/2073	सूर्य 21/06/2083	चंद्र 21/06/2090	मंगल 22/06/2108	राहु 05/03/2122

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 2 वर्ष 3 मा 29 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कन्या राशि के लग्नोदय काल हुआ था। ज्योतिषीय स्वरूप से आपके जन्मलग्न के समय मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आप मात्र धन सम्पत्ति प्राप्त करने के लिए अभिलाषी नहीं हैं। बल्कि आपकी अभिरुचि धार्मिक भी है। इस अध्यात्मिक झुकाव के परिणाम स्वरूप आप अनेक तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे।

आप निश्चित रूप से कठिन श्रम के प्रति समर्पित प्राणी हैं। फलस्वरूप आप धनी सुखी और सम्पत्तिवान प्राणी होंगे। इस समर्पण की भावना से आप बहुत कुछ कर गुजारने हेतु प्रस्तुत हैं। जैसे जो आपको आवश्यकता पड़ने पर आपकी मदद किया है आप उनको भी अपने मिथ्याचारी भावना से धोखा दे सकते हैं।

आप प्रेरित होकर सही दिशा में चलते रहेंगे। ग्रह के योग यह प्रदर्शित करते हैं कि आप को अपने जीवन के उत्थान पतन का अच्छा अनुभव प्राप्त होगा। लेकिन आप पूर्व समय की अकर्मण्यता को त्याग कर अपने समय का सदुपयोग सामान्य ज्ञान के आधार पर आपने स्पन्दित आदतों को त्याग सकते हैं। आप अपनी योजना एवं कार्यकलाप के सम्बन्ध में सावधानी पूर्वक कार्यारम्भ के पूर्व निर्णय लेकर पुनः कार्यारम्भ करे तो श्रेयष्कर होगा। दूसरी बात यह है कि आप कन्या राशीय स्वभाव के अनुसार कार्य प्रारम्भ करते समय ही निर्णय लेते हैं और कार्य के पीछे पड़ जाते हैं। आपके उद्देश्य के अनुसार प्रथम रीति के अनुसार ही कार्य करना उत्तम विद्य है।

आप बुद्धिमान स्तर के प्राणी हैं। अतएव आप दूसरों की गलती को उजागर करते हैं। यह बिन्दु दूसरों के लिए क्रोध उत्पन्न कराने वाला कष्टप्रद होता है। आप अपने मित्रों के साथ भी सौदेबाजी करते हैं। इस परिस्थिति में कुछ लोग आपके शत्रु होकर आपकी व्यवस्था को अस्त व्यस्त कर आपके विरुद्ध न्यायालय में भी कोई बयान दे सकते हैं। आप इस प्रकार की आकस्मिक आपदा में धैर्य धारण करने की शिक्षा ग्रहण करें।

इस प्रकार अपनी प्रवृत्ति में बदलाव लाना आपके लिए कठिन साध्य है। आपके लिए अच्छा कार्य व्यवसायों में औडिट, परीक्षक, अथवा आय से सम्बन्धित ऑफिस कार्य करना उपयुक्त है। आप उत्तम व्यवसाय हेतु लेखा निरीक्षक का कार्य कर सकते हैं क्योंकि आप में वाणिज्य-व्यवसाय करने की प्रतिभा है।

यदा-कदा आप अपने धन का निवेश व्यावसायिकी सट्टेबाजी या शेयर प्राप्ति में व्यय कर सकते हैं। आपके लिए धीरे-धीरे चलना उत्तम है बल्कि आपके के द्वारा किया गया धन निवेश की वापसी यदा कदा बहुतायत अंश में होगा।

आप अपने घर परिवार के लिए बहुत भाग्यशाली हैं। आप की प्यारी पत्नी भगवान की देन प्रमाणित होगी। उनके द्वारा आपको अच्छी सन्तान की प्राप्ति होगी जो अपने जीवन में

अच्छी तरह सुव्यवस्थित हो जाएंगे। इसलिए आप अपनी वासनात्मक प्रवृत्ति के प्रति बदलाव लाना अच्छा होगा। ताकि आप अन्य के साथ शारीरिक सम्बंध स्थापित न करे। अन्यथा आप इस प्रकार कामुक प्राणियों में विख्यात हो जाएंगे।

आप निःसंदेह दीर्घायु होकर बहुत दिनों तक उत्तम स्वास्थ्य का आनन्द प्राप्त करेंगे। परन्तु आप अधिक कामुक हो जाने पर रोग के प्रभाव से आपका शारीरिक ह्रास हो जाएगा तथा आप पीठ की हड्डियों के कष्ट तथा रक्तचाप के रोग से अक्रान्त हो सकते हैं। यदि आप प्रारम्भिक अवस्था से उत्तम अंगीकृत करें। अपने आहार व्यवहार को नियंत्रित रखें तो शाकाहार ग्रहण करें एवं मद्यपाण का त्याग कर दें तो आपका स्वास्थ्य उत्तम तथा बहुत अच्छा रहेगा।

आपका भाग्यशाली अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है तथा आपके लिए उत्तम है।

आपके जीवन में रंग प्रदर्शन का बड़ा भाड़ी महत्त्व है। आपके लिए उत्तम रंग सफेद, सुआपंख्री, पीला एवं हरा रंग अनुकूल एवं फलदायी है। आपको रंग लाल, नीला एवं काले रंग का परित्याग कर देना चाहिए क्योंकि ये रंग आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।